विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

www.vidarbhswabhiman.com

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 9 जुलाई 2024 ❖वर्ष :15 ❖अंक- 02 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-आरएनआई नं. MAHHIN/2010/43881 पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

समय कितना बलवान होता है, प्रेम, अपनापन रहे तो व्यक्ति झोपड़ी में भी अत्याधिक आनंद प्राप्त कर सकता है लेकिन अगर प्रेम नहीं रहे तो महल में भी उसे खुशी नहीं मिलती है. खुशियां स्थान, पद, प्रतिष्ठा नहीं देखती हैं, वह तो आपका निर्मल मन देखती हैं. जिन लोगों का मन निर्मल होता है, उनके साथ जीवनभर किसी की अनबन नहीं होती है. जब सभी साथ होते हैं तो खुशियां स्वयं ही बढ़ जाती हैं. इसलिए स्वयं भी खुश रहो और अपने इर्द-गिर्द वालों को भी खुश रखने का निरंतर प्रयास करते रहें. आपका दिन शुभ हो.

पहले भी हुई है हाथरस जैसी घटनाएं

सतर्कता की कमी, कुछ दिन तकलीफ जताने की नौटंकी के बाद सब पूर्ववत

विदर्भ स्वाभिमान,3 जुलाई

हाथरस/लखनऊ- उत्तर प्रदेश के हाथरस में आयोजित सत्संग के दौरान मची भगदड़ में 125 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं. भारत में मंदिरों एवं अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान भगदड़ होने से बड़ी संख्या में लोगों की मौत की यह पहली घटना नहीं है. इससे पहले भी इस तरह की कई घटनाएं होने के बाद भी हम केवल आठ दिन के लिए चेतते हैं. इसके बाद फिर सब कुछ पूर्ववत हो जाता है. इन घटनाओं से स्थायी सबक नहीं लेने की मजबूरी के कारण ही

इस तरह क घटनाएं बार-बार होती हैं और जांच के नाम पर लीपापोतीत और उसके बाद सब कुछ पूर्ववत हो जाता है. मौत का गम तो वह परिवार झेलेगा, जिसके घर का सदस्य अकाल ही काल के गाल में समा गया है. कुल मिलाकर यह सिलसिला वर्षों से चल रहा है. सरकारी खानापूर्ति का यह सिलसिला कब तक चलेगा, इस बारे में कोई नहीं कह सकता है. यह पहली घटना नहीं है. नागपुर में गोवारी कांड हो या फिर धार्मिक स्थल पर जुटाई जाने वाली भीड़ का पैमाना हो, इतने लोगों को बिना किसी व्यवस्था के जुटने की अनुमति कैसे दी जाती है. आयोजकों से सब कुछ पहले तय क्यों नहीं करवा लिया जाता है. बिना सुरक्षा मापदंड पूरा किए आखिर लोगों को क्यों कर अनुमति दी जाती है. इस बारे में कई बार हादसे होते हैं लोग मरते हैं **शेष पेज 6 पर**

संपादकीय

हर भारतीय के लिए होगा यह गर्व

अमेरिका में भारत का रूतबा तेजी से बढ़ रहा है. जहां अमेरिका की सरकार भारत को अत्याधिक महत्व दे रही है, वहीं दूसरी ओर भारतीयों के बारे में उनकी सोच में भी लगातार परिवर्तन आ रहा है. आज भारत तेजी से विश्व में अगर लोकप्रिय हो रहा है तो इसका श्रेय निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार को देना चाहिए. आज भारत को अत्याधिक तरजीह व्यवसाय के साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी अमेरिका द्वारा दिया जाना निश्चित ही इस बात का सबूत है कि भारत की मजबूती उसे मान्य है और वह जानता है कि भारत आगामी समय में विश्व स्तर पर स्वयं का मजबूत और स्थायी स्थान बनाने में कामयाब होगा. वहां भारतीय त्यौहारों को जिस तरह से मनाया जाता है और अमेरिका के नागरिक इसमें शामिल होते हैं, वह भी हर भारतीय के लिए किसी गर्व से कम नहीं है. आगामी अगस्त महीने में न्यूयार्क में भारत दिवस' के मौके पर 18 अगस्त को होने वाली परेड में राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी. इस आयोजन में न्यूयॉर्क और उसके आसपास से हजारों भारतीय अमेरिकी शामिल होंगे. विश्व हिन्दू परिषद अमेरिका (विहिप) के महासचिव अमिताभ मित्तल के अनुसार मंदिर की प्रतिकृति 18 फुट लंबी, नौ फुट चौड़ी और आठ फट ऊंची होगी.यह पहली बार होगा जब राम मंदिर की प्रतिकृति अमेरिका में प्रदर्शित की जाएगी. न्यूयॉर्क में हर वर्ष भारत दिवस' पर होने वाली यह परेड भारत के बाहर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर सबसे बड़ा आयोजन है. यह परेड हर साल मिडटाउन न्यूयॉर्क में ईस्ट 38 स्ट्रीट' से ईस्ट 27 स्ट्रीट' तक निकाली जाती है जिसे 1,50,000 से अधिक लोग देखने आते हैं.

यूयॉर्क में भारत दिवस' के मौके पर 18 अगस्त को होने वाली परेड में राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी. इस आयोजन में न्यूयॉर्क और उसके आसपास से हजारों भारतीय अमेरिकी शामिल होंगे. विश्व हिन्दू परिषद अमेरिका (विहिप) के महासचिव अमिताभ मित्तल के अनुसा? मंदिर की प्रतिकृति 18 फुट लंबी, नौ फुट चौड़ी और आठ फुट ऊंची होगी.यह पहली बार होगा जब राम मंदिर की प्रतिकृति अमेरिका में प्रदर्शित की जाएगी. न्यूयॉर्क में हर वर्ष भारत दिवस' पर होने वाली यह परेड भारत के बाहर स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर सबसे बड़ा आयोजन है. यह परेड हर साल मिडटाउन न्यूयॉर्क में ईस्ट 38 स्ट्रीट' से ईस्ट 27 स्ट्रीट' तक निकाली जाती है जिसे 1,50,000 से अधिक लोग देखने आते हैं. फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन' (एफआईए) द्वारा आयोजित की जाने वाली इस परेड में विभिन्न भारतीय अमेरिकी समुदायों और उनकी संस्कृति की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली ढेर सारी झांकियां न्यूयॉर्क की सड़कों पर देखने को मिलेंगी. विहिप-अमेरिका ने हाल में राम मंदिर रथ यात्रा का आयोजन किया था जिसने 60 दिन में 48 राज्यों के 851 मंदिरों को कवर किया था. फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन' (एफआईए) द्वारा आयोजित की जाने वाली इस परेड में विभिन्न भारतीय अमेरिकी समुदायों और उनकी संस्कृति की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली ढेर सारी झांकियां न्यूयॉर्क की सड़कों पर देखने को मिलेंगी. विहिप-अमेरिका ने हाल में राम मंदिर रथ यात्रा का आयोजन किया था जिसने 60 दिन में 48 राज्यों के 851 मंदिरों को कवर किया था.अमेरिका में होने वाला यह समारोह हर भारतीय के लिए गर्व का रहने वाला है. यह है भारत की तेजी से बढ़ती ताकत, यह बढ़ाते रहें.

जिंदगियों को निगलती अक्षम्य लापरवाही

विदर्भ स्वाभिमान

मेरी तो खरी-खरी

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

हमारे देश में लापरवाही और इसमें सैकड़ों लोगों की जान चले जाने के मामले की बढ़ती वृद्धि और नहीं सुधरने का शासन-प्रशासन का प्रण निश्चित तौर पर चिंता वाला है. फिर एक हादसा हो गया है और इसमें 125 स अधिक लोगों की अकाल ही मौत हो गई है. हमेशा की तरह नेता घड़ियाली आंसू बहाएंगे, प्रशासन द्वारा जांच के नाम पर कमेटी बनेगी, कुछ को जिम्मेदार माना जाएगा और सस्पें ड किया जाएगा. पंद्रह दिनों के बाद स्थिति फिर जस की तस हो जाएगी. आजादी के बाद से हादसों पर अगर गौर किया जाए तो यही होता रहा है. जिंदगी की कीमत इतनी कम कैसे आंकी जा सकती है. लापरवाही, कुछ लोगों की अनुशासनहीनता के कारण नाहक के लोगों की जान पर बन आना आखिर कब तक चलता रहेगा, कब तक इन्सान इस तरह अकाल ही काल के गाल में समाता रहेगा. इस पर चिंतन करते हुए इसका स्थायी हल ढूंढना चाहिए. हाथरस की घटना में मारे गए सभी भक्तों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि. किसी का पति, किसी का बेटा, किसी का भाई इसमें मारा गया है. इस घटना की जितनी निंदा की जाए कम है. आखिर ऐसी स्थिति क्यों आती है, इसका गंभीरता से चिंतन-मनन करते हुए विचार किया जाना चाहिए.

उत्तर प्रदेश के हाथरस में मंगलवार को हुए हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया. मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 125 हो गई. यह हादसा उस समय हुआ जब सत्संग का समापन हो चुका था और लोग अपने परिवार के साथ घर लौट रहे थे. आइए जानते हैं कि कौन है यह बाबा जिनके सत्संग में लाखों की भीड़ हो गई. भीड़ इतनी ज्यादा कि भीड़ ने भगदड़ का रूप ले लिया. हाथरस के एटा में चल रहे सत्संग में यह हादसा उस समय हो गया जब लोग सत्संग के खत्म होने के बाद अपने घर लौट रहे थे. दरअसल हुआ ये कि जहां पर सत्संग आयोजित किया गया था वह जगह काफी छोटी थी और भीड़ बहुत ज्यादा थी. जब सत्संग समाप्त हो गया तो निकलने के दौरान भीड़ अनियंत्रित हो गई और भगदड़ मच गया.

भगदड़ में मरने वालों में से ज्यादातर बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं. अभी भी मृतकों की संख्या बढ़ती ही जा रही हैं. मिली जानकारी के अनुसार हाथरस के फुलरई गांव में नारायण साकार हरि का आश्रम है जहां सत्संग आयोजित किया गया था. जहां यह सत्संग चल रहा था वह जगह काफी छोटी थी और भीड़ लाखों में थी. एक समय ऐसा आया जब भीड़ अनियंत्रित हो गई और भगदड़ का रूप ले लिया.दुसरा कारण यह भी था कि कार्यक्रम स्थल पर प्रशासन की परमिशन से ज्यादा भक्त सत्संग कार्यक्रम में पहुंचे. जिसके बाद भोले बाबा के सत्संग के दौरान भगदड़ मच गई. मुख्य सचिव मनोज सिंह और डीजीपी प्रशांत कुमार घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं. घायलों को इलाज के लिए एटा भेजा गया. घटना सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित गांव फुलराई के पास की है. वहीं भोले बाबा उर्फ नाराण साकार हरि के नाम से मशहूर बाबा का यह दावा हैं कि उन्हें भगवान से साक्षात्कार हुआ है. वैसे बाबा कांसगंज के पटियाली गांव के रहने वाले हैं. बाबा बनने से पहले वे उत्तर प्रदेश पुलिस में नौकरी करते थे. 18 साल नौकरी करने के बाद वीआरएस ले लिया था. वीआरएस लेने के बाद ही उन्हें भगवान से साक्षात्कार हुआ. मंगलवार को भी फुलरई गांव में स्वयंभू संत भोले बाबा का प्रवचन चल रहा था.संयम के अभाव ने भगदड़ और सैकड़ों जिंदगियां लील ली.

सभी के चहेते,सभी के साथी

ज़न्मदिन पर लोगों के प्रेम को मानते हैं अपनी सबसे बड़ी दौलत, सभी के प्रेम के प्रति जताई कृतज्ञता, कहा-यही प्रेम देता है उन्हें सदैव समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा

ज़ीवन में हर व्यक्ति का जीने का अपना अंदाज होता है. कई लोग सम्पन्न रहकर भी किसी के लिए कुछ नहीं करते हैं लेकिन कई लोग अथक मेहनत से कमाते हैं लेकिन अपनी कमाई में समाज का योगदान समझते हुए उसके लिए सदैव कुछ भी करने के लिए तत्पर रहते हैं. किसी जाति,धर्म,पंथ के बंधन से दूर रहने वाले ऐसे लोग ही इतिहास रचते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं सिंधी समाज प्रदेश संगठन के मुख्य समन्वयक, शिवसेना शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता तथा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के करीबी नानकराम नेभनानी. अमरावती शहर में स्थायी हुए कुछ ही साल हुए हैं लेकिन अपने सर्वधर्म समभाव वाली भूमिका से उन्होंने न केवल सिंधी समाज बल्कि शहर के हर वर्ग में अपनी पैठ बनाई है. आज उनकी लोकप्रियता किसी नेता से कम नहीं है. इसका नजारा संत ज्ञानेश्वर सांस्कृतिक भवन में उमड़े हजारों लोग हैं.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे अपने लिए जिए तो क्या जिए को जीवन सिद्धांत मानते हैं. यही कारण है कि जितना संभव होता है हर समाज की मदद के लिए तैयार रहते हैं. जीवन में अपनी कामयाबी को माता-पिता का आशिर्वाद, बच्चों का साथ तथा शहरवासियों के प्रेम को मानते हैं. जन्मदिन पर उमड़े तथा शुभकामनाएं देने वाले हजारों मित्रों के प्रति दिल से कृतज्ञता जताते हुए उन्होंने कहा कि उनके जीवन में इससे बड़ी दौलत कोई नहीं हो सकती है. लोगों का प्यार और आत्मीयता ही उनकी सबसे बड़ी उर्जा होती है. जन्मदिन के दिन लाखों की संख्या में चहेतों ने सुबह से लेकर रात तक उन्हें शुभकामनाएँ और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होने की कामना की. लोगों का यही प्रेम सदैव उर्जा देने की बात वे कहते हैं. आज उनके जन्मदिन पर उमड़ी भीड़ ने यह साबित कर दिया कि वे सर्वमान्य समाज के सेवक हैं. इतना भव्य पैमाने पर सांस्कृतिक भवन में शायद ही किसी का जन्मदिन समारोह हुआ है. हर वर्ग के लोग इसमें थे, साधु-संतों के साथ ही हजारों की संख्या में लोगों का तांता लगा रहा. उनके अयूर काम्प्लेक्स स्थित कार्यालय में भी उतनी ही भीड़, महाआरती, गौरक्षण में गुड़ तुला, गौमाता की सेवा के अलावा मधुबन वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के आशिर्वाद के साथ ही जन्मदिन को उन्होंने सेवा दिन बना दिया.

विदर्भ स्वाभिमान परिवार

विदर्भ स्वाभिमान
आरएनआई नं. MAHHIN/2010/43881
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

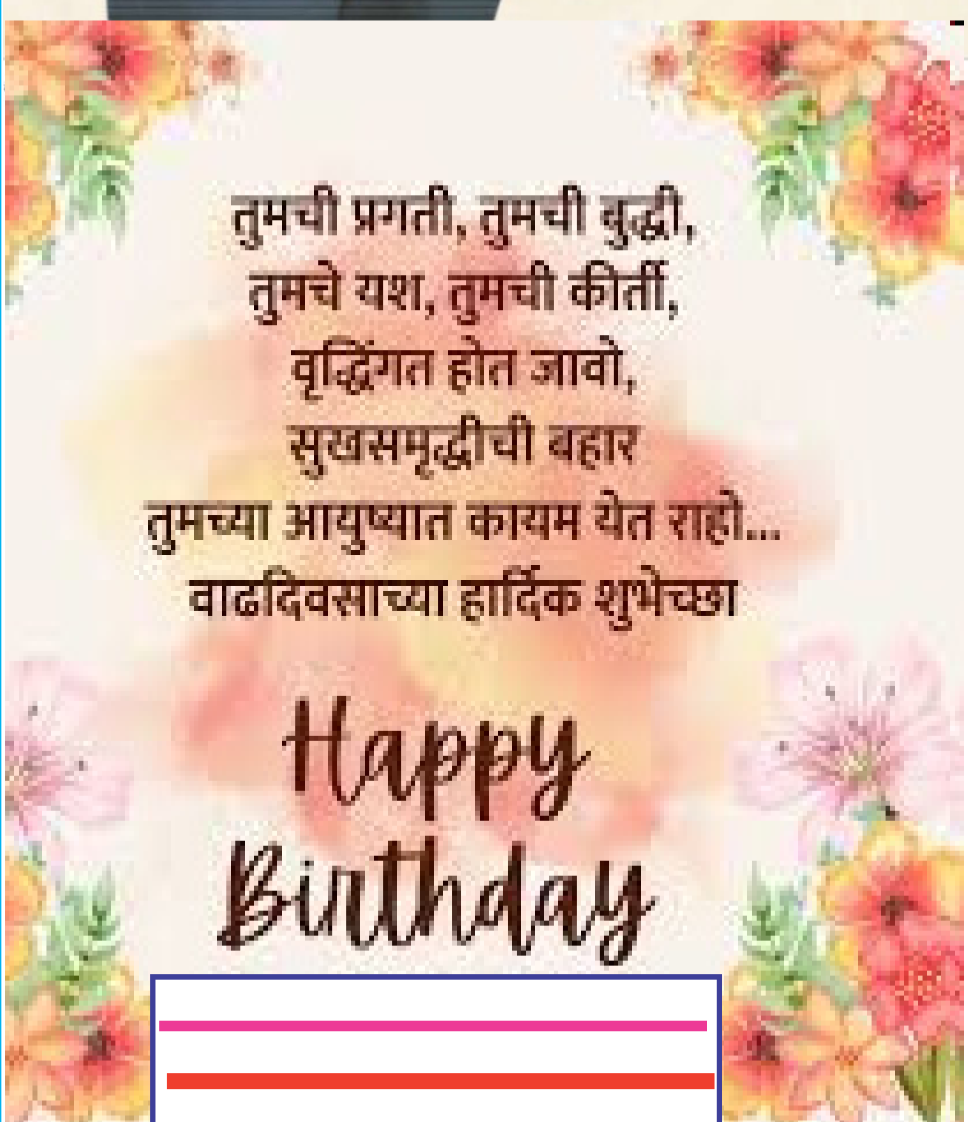

शुभेच्छुक

श्री नानकराम नेभनानी मित्र परिवार,

विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती.

सत्संग से जीवन में आता है सदैव निखार

पं.प्रदीप मिश्रा की सीख, शब्दों से भी किसी के दिल को दुःख पहुंचाना होता है सबसे बड़ा पाप

विदर्भ स्वाभिमान
विशेष संस्कार पहल

प्रेम,स्वभाव में होती है बड़ी ताकत

श्री विट्ठलेश सेवा समिति के प्रमुख और अंतराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा क़ा कहना है कि प्रेम और विश्वास में सबसे बड़ी ताकत होती है. यह असंभव को भी संभव कर देती है. इसलिए जीवन में इन्हीं दोनों को अपना सहारा बना दो. ऐसा करने से निश्चित तौर पर आपकी जीवन नैया तरने में मदद मिलेगी. परिवार के बिछड़ने से खुशियां बिछड़ गयी हैं और उनके स्थान बीमारियों ने ले लिया. कमाई, सुविधाएं सभी बढ़ी हैं लेकिन हमारा भाव नहीं बढ़ने के कारण यह जहां तकलीफ दे रहा है, वहीं स्वार्थ ने इंसान को अंधा कर दिया है. उसे लगता है कि वह कर रहा लेकिन कोई देख नहीं रहा. लेकिन परमात्मा तो सभी को देखते हैं.

माया,आसक्ति से दूर रहें,खुश रहेंगे

जीवन में जो लोग माया और आसक्ति से घिरेरहते हैं, ऐसे लोग कभी उबर नहीं पाते हैं. लेकिन उम्र के 60 साल के बाद जो लोग प्रभु में मगन रहते हैं, केवल दो जून की रोटी और खुशियों से सरोकार रखते हैं, उऊनका बुढ़ापा बेहतरीन तरीके से गुजर जाता है. इतना ही नहीं तो प्रभु का सुमिरन करने से उनका जीवन भी धन्य हो जाता है. कलयुग की महिमा कहें या अन्य कुछ आज लोगों में स्वार्थ अत्याधिक हो गया है. अपने अपनों के साथ घात करने में पीछे नहीं हट रहे हैं, दिल का दौरा पहले कम लोगों को पड़ता था लेकिन युवाओं में दिल का दौरा पड़ रहा है. दिल खोलकर हंस नहीं पा रहा है, कोई अपनी बाधा नहीं बता पा रहा है, कोई अपनों से दुख नहीं बांट पा रहा है. आज हर रिश्ते को स्वार्थ की जंग लगती जा रही है. काम रहने तक ही सभी रिश्ते निभाए जाते हैं. गरज निकलने के बाद कोई किसी का नहीं रहने का एहसास होता है. यही कारण है कि हमारा दिल ही हमसे नाराज हो रहा है. परिवार में आत्मीयता का अभाव है. पिता के त्याग, मां की तपस्या को भी कई लोग मानने के लिए तैयार नहीं रहते हैं. ऐसे में परिवार में खुशी कहां से आएगी. माता-पिता का जिस घर में सम्मान नहीं होता है, उस घर से साक्षात लक्ष्मी भी रूठ जाती हैं. माता-पिता को तकलीफ तो भगवान भी सहन नहीं कर पाते हैं लेकिन जब कुछ माता-पिता भी जीवनभर माया के अधीन होते हैं तो हैरत होती है.

विदर्भ स्वाभिमान

कमाने का सुनहरा अवसर,विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से बेहतरीन कमाई भी कर सकते हैं. मेहनत करने की तैयारी वाले ही तत्काल संपर्क करें

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.
मो.9423426199

शुभेच्छुक- विनोद गुहे मित्र परिवार,
विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती.

सेवा समर्पित,यारों का यार है सेवी विनोद गुहे

ज़ीवन में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो अपनी मेहनत, संघर्ष और माता-पिता के साथ प्रभु के आशिर्वाद से अपना स्थान बना सकते हैं. विनोद गुहे ऐसे युवक हैं जिन्होंने संघर्षों से जूझते हुए अपना शहर में स्थान बनाया है. आज हर क्षेत्र में सक्रिय हैं और स्वयं का नाम कमाया है. 1 जुलाई को उनके जन्मदिन पर हजारों मित्रों ने उन्हें शुभकामनाएं दी, यह निश्चित ही उनके प्रेम, उनके यारों के यार होने का सबूत है. विदर्भ स्वाभिमान की ओर से मंगमलय हार्दिक शुभकामनाएं. संतश्री गजानन महाराज अपने भक्त की सभी मनोकामनाएं पूरी करें, यही कामना.

छाया कॉलोनी निवासी यारों के दिलदार यार विनोद गुहे का समावेश है. विनोद को भी बचपन में संघर्ष तथा अभावों से जूझना पड़ा है. लेकिन कभी भी हिम्मत नहीं हारते हुए सदैव आगे बढ़ने के लिए उनके द्वारा किया गया प्रयास अन्यों को प्रेरणा दे सकता है. गरीबी से लेकर आज सम्पन्नता के दिनों में भी दिलदार यार के रूप में उनका उल्लेख किया जा सकता है. साप्ताहिक अखबार के संपादक की भूमिका हो, विधायक रवि राणा के निजी सचिव सहित सभी भूमिकाएं दिल से निभाते हैं. दोस्तों के लिए उसके स्वभाव में कभी कोई परिवर्तन नहीं दिखाई देता है.कुछ मामूली अंतर से नगर सेवक बनते रह गया. संत गजानन महाराज के प्रति अपार श्रद्धा और विश्वास. छाया कॉलोनी में मनाया जाने वाला गजानन महाराज प्रकटोत्सव उसकी साख, पहचान के साथ ही किए जाने वाले संघर्ष का परिचायक कहना गलत नहीं होगा. संत गजानन महाराज मंदिर के प्रमुख के रूप में सालभर विभिन्न कार्यक्रम चलते हैं.सम्पन्नता में भी विनम्रता की प्रतिमूर्ति हैं. उनके मिलनसार स्वभाव के कारण हजारों की संख्या में मित्र परविार उन्हों ने बनाया है. यारों के दिलदार यार,यथासंभव मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहने वाले विनोद गुहे का सामाजिक, व्यावसायिक, शैक्षिक, धार्मिक सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान है. लेकिन दोस्तों के लिए उतना ही सहज, सरल और दिल को छू लेने वाला मित्र है. 1 जुलाई को जन्मदिन पर उन्हें करोड़ों शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

लाखों बहनों को मुख्यमंत्री शिंदे ने दिया सहारा,लाड़ली बहन योजना सराहनीय

सेवाभावी अब्दुल सलीम शेख निःशुल्क भर रहे हैं आवेदन, कर रहे मार्गदर्शन

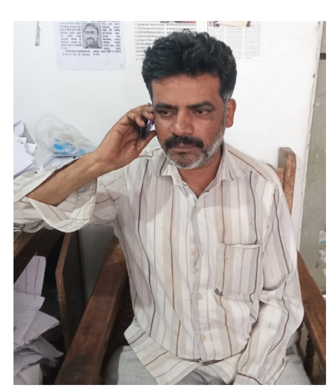

अमरावती- मध्य प्रदेश की तर्ज पर महाराष्ट्र सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना लाखों बहनों को जहां उम्मीद की किरण जगाएगी, वहीं इस मामले में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा जिस तरह का आक्रामक रवैया अख्तियार किया गया है, तहसीलदार सहित सभी अधिकारी जिस तरह से सेवाभावना से काम कर रहे हैं, वह निश्चित ही सराहनीय है. मुख्यमंत्री का यह कदम क्रांतिकारी तथा ऐतिहासिक है. इस आशय का मत रोज 200सभी धर्म की महिलाओं को मुफ्त में बांटने वाले युवा समाजसेवी अब्दुल सलीम शेख ने किया है. उनके मुताबिक यह योजना महिलाओं को बड़ी राहत देगी.

आर्थिक संकट के बाद भी सदैव समाजसेवा का व्रत रखने वाले अब्दुल सलीम शेख ने अभी तक हजारों लोगों को संजय गांधी रोजगार योजना सहित अन्य गरीबों की योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग किया है. उनके मुताबिक यह सभी एक ही थाली के चट्टे बट्टे हैं. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जहां राज्य के लाखों बहनों को बड़ा सहारा दिया है, वहीं दूसरी ओर यह योजना राज्य की लाखों गरीब और जरूरतमंद बहनों के लिए संजीवनी साबित होने वाली है.योजना को लेकर जिस तरह बहनों में उत्साह दिखाई दे रहा है वह भी अपने आप में सराहनीय है.यह कहना हैसमाजसेवी तथा जनता की सेवा में सदैव तत्पर रहने वाले और योजना कासही तरीके से मार्गदर्शन करने वाले अब्दुल सलीम शेख क़ा. अभी तक सैकड़ों महिलाओं को उन्होंने आवेदन भरकर दिया और कागजों की सही जानकारी दी. विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए अब्दुल सलीम शेख ने कहा कि मुख्यमंत्री शिंदे द्वारा शुरू की गई है योजना महाराष्ट्र में क्रांतिकारी साबित होगी.प्रशासन इस मामले में जिस तरह से सक्रिय है और सहयोग कर रहा है उसकी भी उन्होंने सराहना की.अमरावती के तहसीलदार व नायब तहसीलदार विजय लोखंडे के मार्गदर्शन में नायब तहसीलदार श्रीमती टीना चव्हाण के साथ ही पटवारी और अन्य भी इस मामले में पूरी शिद्दत के साथ सहयोग कर रहे हैं.योजना के तहत आवेदन करने वाली हर बहन को प्रति माह 1500 रूपए उनके खाते में जमा किया जाएगा.इससे घर की महिलाएं अपनी स्वयं की छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा कर सकेंगी. महंगाई के दौर में सरकार से प्राप्त होने वाली यह छोटी सी मदद भी घरेलू महिलाओं के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होगी.अब्दुल सलीम शेख ने बताया कि योजना के लिए आधार कार्ड,बैंक पासबुक,फोटो,टीसी, राशनकार्ड ही चाहिए. लोगों से उन्होंने कोई दिक्कत होने पर उनसे संपर्क करने का भी आग्रह किया. साथ ही हरसंभव सहयोग करने का वादा भी किया. लोगों से भी बिना किसी तरह की हड़बड़ी किए शांति से आवेदन करने तथा बेहतरीन योजना का लाभ लेने का आग्रह अब्दुल सलीम शेख ने किया.

पवित्र लोहित नदी के सामने स्थापित होगी परशुराम मूर्ति

51 फीट ऊंची मूर्ति होगी ब्राह्मण समाज के लिए प्रेरणादायी,अन्याय नहीं सहने और खत्म करने की देगी सदैव समाज को प्रेरणा

भगवान विष्णु के अवतारों में से एक माने जाने वाले परशुराम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा अरुणाचल प्रदेश में लोहित नदी के तट पर स्थित पवित्र स्थान परशुराम कुंड पर स्थापित की जाएगी, यह समाज को जहां प्रेरणा देगी, वहीं ब्राह्मण समाज के लिए यह प्रतिमा आदर्श होगी.

विदर्भ स्वाभिमान,3 जुलाई

ईटानगर-भगवान विष्णु के अवतारों में से एक माने जाने वाले परशुराम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा अरुणाचल प्रदेश में लोहित नदी के तट पर स्थित पवित्र स्थान परशुराम कुंड पर स्थापित की जाएगी.

राज्य सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार लोहित जिले में स्थित परशुराम कुंड को पूर्वोत्तर क्षेत्र के प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने का प्रयास कर रही है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान योजना के तहत इस स्थल के विकास के लिए 37.87 करोड़ रुपये का अनुदान आवंटित किया गया है. इस परियोजना में परशुराम की 51 फुट ऊंची प्रतिमा स्थापित करना भी शामिल है, जिसे कुंड के विकास के लिए समर्पित संगठन वीआईपीआरए फाउंडेशन द्वारा दान किया जाएगा.

अधिकारी ने बताया कि प्रतिमा को पवित्र स्थल लोहित नदी के तट पर स्थापित किया जाएगा, जहां मकर संक्रांति के दौरान पवित्र स्नान करने वाले लाखों श्रद्धालु आते हैं. परशुराम कुंड का हिंदू पौराणिक कथाओं में बहुत महत्व है और इसके विकास का उद्देश्य आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है. इससे पर्यटन के माध्यम से रोजगार भी बढ़ेगा.

कांग्रेस क़ी तरह तुष्टीकरण नहीं, भाजपा करती है संतुष्टीकरण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष पर हमला बोला, संसद में जारी है सत्तापक्ष-विपक्ष में घमासान

नई दिल्ली-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष पर जमकर हमला बोला इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा. इस दौरान प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब भी दिया. पीएम मोदी का भाषण करीब यह 2 घंटे तक चला और इस बीच सभी विपक्ष ने संसद में विरोध किया और जमकर नारेबाजी करते रहे इतना ही नहीं कुछ नेता वेल में जाकर भी नारेबाजी करने लगे यह नज़ारा देख पीएम मोदी ने वेल में नारेबाजी कर रहे सांसदों को पानी का गिलास पीने को दिया. पीएम ने पहले कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर को पानी का गिलास दिया, लेकिन उन्होंने लेने से मना कर दिया जिसे बाद उन्होंने दूसरे सांसद हिबी ईडन को पानी का गिलास बढ़ाया और उन्होंने लेकर पी लिया.

बता दें कि जब विपक्ष पीएम मोदी के भाषण के दौरान हंगामा कर रहा था, तब पीएम ने हेडफोन पहन लिया इस दौरान बीच में उन्होंने पानी पिया और विपक्षी सांसदों को भी पानी के लिए पूछा. पीएम का ये

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. दरअसल, जैसे ही पीएम मोदी ने बोलना शुरू किया, विपक्षी सदस्यों ने 'मणिपुर के लिए न्याय' के नारे लगाने शुरू कर दिए और विरोध करते हुए सदन के वेल में आ गए. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सदस्यों को वेल में आने का निर्देश देने के लिए विपक्ष के नेता राहुल गांधी को डांटते देखा गया.

वहीं दूसरी ओर, मंगलवार को लोकसभा में भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर तंज कसा. उन्होंने कांग्रेस पर झूठ बोलने का आरोप भी लगाया इतना ही नहीं पीएम मोदी ने कांग्रेस पर देश की प्रगति को रोकने का भी आरोप लगाया.

पीएम मोदी ने कहा, 'जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ रहा है और चुनौतियां भी बढ़ रही हैं. जिन्हें भारत की प्रगति से दिक्कत है, जो भारत की प्रगति को चुनौती के रूप में देखते हैं, वो गलत हथकंडे भी अपना रहे हैं. ये ताकतें भारत की डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी और डायवर्सिटी पर हमला कर रही हैं. और ये चिंता सिर्फ मेरी नहीं है, ये चिंता सिर्फ सरकार की नहीं है, देश की जनता और माननीय सुप्रीम कोर्ट तक सब कोई इन बातों से चिंतित है.

इंडिया ब्लॉक के सांसदों की लगातार नारेबाजी के बीच, विपक्ष और कांग्रेस के राहुल गांधी पर तीखे प्रहारों से भरे एक उग्र भाषण में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने 'संतुष्टिकरण' का पालन किया है, न कि 'तुष्टिकरण' का. राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में भाग लेते हुए पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि हिंदुओं के खिलाफ झूठे आरोप लगाने की साजिश रची जा रही है. संसद में दोनों ही पक्षों के घमासान मचे हैं. प्रधानमंत्री ने भी विपक्ष पर जोरदार हमला किया.

लापरवाही से हाथरस जैसी घटनाएं

पेज 1 से जारी- फिर भी सब कुछ चलता है. आखिर बार-बार इस तरह की स्थिति पैदा होने और हादसे होने के बाद सिर धुनने की बजाय इस तरह के हादसों को अगर रोकने का प्रयास किया जाए तो निश्चित तौर पर सैकड़ों लोगों को इस तरह की लापरवाही की बलि नहीं चढ़ने की नौबत आएगी. लेकिन सब औपचारिकताएं ही चल रही हैं. इस तरह के हादसों के लिए कई बार अनुशासहीन व्यवस्था, अनुशासनहीन लोग भी जिम्मेदार होते हैं. आगे भागने की होड़ में पीछे वाले का विचार नहीं करने की मानसिकता भी इसके लिए जिम्मेदार होती है.

महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में 2005 के दौरान हुई भगदड़ में 340 श्रद्धालुओं की मौत और 2008 में राजस्थान के चामुंडा देवी मंदिर हुई भगदड़ में कम से कम 250 लोगों की मौत ऐसी ही कुछ बड़ी घटनाएं हैं. हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में भी 2008 में ही धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में 162 लोगों की जान चली गई थी. हाल के वर्षों में देश में मंदिरों और धार्मिक आयोजनों के दौरान भगदड़ की कुछ प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं.

31 मार्च 2023 : इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के अवसर पर आयोजित हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई.

एक जनवरी 2022 : जम्मू-कश्मीर स्थित प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए.

14 जुलाई 2015 : आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी जिले में 'पुष्करम' उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई तथा 20 अन्य घायल हो गए.

तीन अक्टूबर 2014 : दशहरा समारोह समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मचने से 32 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए.

13 अक्टूबर 2013 : मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए. भगदड़ की शुरुआत नदी के पुल टूटने की अफवाह से हुई जिसे श्रद्धालु पार कर रहे थे.

19 नवंबर 2012 : पटना में गंगा नदी के तट पर अदालत घाट पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से मची भगदड़ में लगभग 20 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए.

आठ नवंबर 2011 : हरिद्वार में गंगा नदी के तट पर हरकी पैड़ी घाट पर मची भगदड़ में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई.

14 जनवरी 2011 : केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में एक जीप के सबरीमाला मंदिर के दर्शन कर लौट रहे तीर्थयात्रियों से टकरा जाने के कारण मची भगदड़ में कम से कम 104 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 40 से अधिक घायल हो गए.

चार मार्च 2010 : उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ मचने से लगभग 63 लोगों की मौत हो गई. लोग स्वयंभू धर्मगुरु द्वारा दान किए जा रहे कपड़े और भोजन लेने पहुंचे थे.

30 सितंबर 2008 :राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाह के कारण मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालु मारे गए और 60 से अधिक घायल हो गए. ऐसे अनगिनत हादसे होने के

महिलाओं को नमन और सम्मान
विदर्भ स्वाभिमान
नारी तू ही नारायणी
सदस्यता पंजीयन शुरू
विदर्भ स्वाभिमान नारी युवा मंच की सदस्यता पंजीयन का अभियान आरंभ हो गया है. आप भी फार्म भरकर सदस्य बनकर अपनी खुशियों को बढ़ाने का काम कर सकती हैं. सदस्य बनने के लिए कार्यालय में संपर्क करें.
मो. 8855019189
9518528233

गुरूवार 3 से 9 जुलाई 2024

इस सप्ताह आप किसी शादी पार्टी में सम्मिलित होने बाहर जा सकते है, वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें. वाद-विवाद की स्थिति से खुद को दूर रखें. अपने परिचित व्यक्ति से आज आपको अपमान का सामना करना पड़ सकता है, पार्टनर का साथ मिलेगा.

वृषभ- इस सप्ताह आप नया वाहन आदि खरीद सकते है, परिवार में नया मेहमान आ सकता है. आपको कोई नए कार्य का बड़ा ऑफर आज मिल सकता है, किसी पुराने मित्र से मिलना होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें, परिवार में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे.

मिथुन- आज का दिन आपका शानदार रहेगा, मन स्थिर और प्रसन्न रहेगा. वाणी के प्रभाव से आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे. किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा. आज कोई नया व्यापार आप शुरू कर सकते है, पार्टनर के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

कर्क- आज का दिन आपका सोच विचार कर काम करने का है. आप कोई बड़ा डिसीजन व्यापार-व्यवसाय में न लें, नई साझेदारी में सावधानी बरतें. स्वास्थ्य का ध्यान रखें, पार्टनर के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी. आप आज वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें.

सिंह-आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. व्यापार-व्यवसाय में अपने सहयोगी पार्टनर्स से सावधान रहें, नहीं तो आपका काम बिगड़ सकता है. कोई नया लेन-देन आज न करें, वाहन चलाते समय सावधानी बरतें.

कन्या-आज आपका मन अशांत रहेगा, व्यापार-व्यवसाय में नुकसान उठाना पड़ सकता है. कोई बड़ा काम आपके हाथ से निकल सकता है. आज आप पारिवारिक मतभेद में उलझ सकते हैं. आप कोई बड़ा जोखिम आज व्यापार मे न उठाएं. पार्टनर के स्वास्थ्य के कारण चिंतित रह सकते हैं.

तुला-आज का दिन आपका बहुत अच्छा रहने वाला है, आज आप कोई नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं. आपनों का साथ मिलेगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे. कोई नया वाहन मकान खरीद सकते हैं,किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं.

वृश्चिक-आज आप किसी अपने के स्वास्थ्य को लेकर परेशान रहेंगे, माता-पिता का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ सकता है. व्यापार-व्यवसाय में अपने पार्टनर का आज आपको सहयोग मिलेगा. कोई बड़ा काम आज आप शुरू कर सकते हैं काम में रूकावट जरूर आएगी. वाणी पर संयम रखें.

धनु-आज के दिन आप वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें. किसी काम का बहुत दिनों से सोच रहे हैं आज वह काम पूरा होगा. न्यायालय पक्ष के काम में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. वाणी पर संयम रखें, वाद विवाद की स्थिति में अपना बचाव करें.

मकर- सप्ताह में आपको कोई सुखद समाचार मिलेगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम का योग बनेगा. आप कोई नया निवेश व्यापार-व्यवसाय में कर सकते हैं. पार्टनर का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा.

कुंभ-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है. आप कोई नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं या व्यापार में कोई बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं. कार्यक्षेत्र में पार्टनर का अच्छा सहयोग मिलने से कार्यक्षेत्र में लाभ होगा. परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा.

मीन- इस सप्ताह स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा. आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. आप परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी में पड़ सकते हैं. संतान की चिंता बनी रहेगी, व्यापार-व्यवसाय में सहयोगी से मतभेद बढ़ सकते है, आज आप किसी नए काम के लिए विचार कर सकते हैं. पारिवारिक विवाद से दूर रहें.

आपका सप्ताह शुभ हो, विदर्भ स्वाभिमान यही कामना करता है.

विश्व कल्याण की भावना रहने से होंगे सभी सुखी

जन्मदिन पर समाजसेवी एकनाथ जुवार ने कहा,सेवा को मानते हैं दिल में स्थान बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम

प्रतिनिधि, 3 जुलाई

अमरावती- जीवन में जो लोग दूसरों के हित के बारे में सोचते हैं, उनका हित स्वयं परमात्मा करते हैं. जब हम विश्व कल्याण की कामना करते हैं तो हमारा कल्याण इसमें समाहित होता है. इसलिए जितना हो सके, परिवार के साथ ही समाज और राष्ट्र के बारे में भी सोचने और सदैव करने का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी और दर्जनों संगठनों के पदाधिकारी एकनाथराव जुवार ने किया. 1 जुलाई को जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बचपन से संघर्ष देखा है. आज मेहनत को कोई पर्याय नहीं होता है. इसलिए जितना संभव हो सके, उम्र के मुताबिक मेहनत करते हुए स्वयं के जीवन को संवारने के साथ ही परिवार को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए. परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र मजबूत होता है.

स्थानीय आदर्श नेहरू नगर निवासी तथा यारों के दिलदार यार एकनाथराव जुवार न के केवल शहर बल्कि जिलास्तर पर सुख्यात हस्ती हैं. दिल के साथ तथा मानवीय कामों में सदैव तत्पर रहने वाले एकनाथराव जुवार की सादगी जहां किसी को भी प्रभावित करती है, वहीं कोळी महादेव समाज को हक दिलाने के लिए अपने स्तर पर लगातार प्रयास करते हैं. सेवानिवृत्ति के बाद शहर में मानवता की सेवा के समर्पित व्यवसायी, समाजसेवी के रूप में वे सुख्यात हैं. व्यवसाय के साथ ही वे सामाजिक कामों में जहां अग्रणी रहते हैं, वहीं दूसरी ओर सदैव नेक कामों में योगदान देने से पीछे नहीं हटते हैं.अमरावती शहर के सुख्यात धार्मिक एवं समाजसेवी व्यक्तित्व एकनाथराव जुवार का कहना है कि हर व्यक्ति को अपनी ओर से जितना संभव हो, मानवता की सेवा करनी चाहिए. ब्रजलाल बियाणी महाविद्यालय से लैब असिस्टंट पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक कामों में लगाया है. कई संगठनों के प्रमुख के साथ ही कई संगठनों के वे पदाधिकारी हैं. इस माध्यम से समाजसेवा में स्वयं को झोंके हैं. उनका मिलनसार स्वभाव सभी को प्रभावित करता है.पूर्व मंत्री डॉ. दशरथ भांडे के साथ उनके करीबी संबंध हैं. लेकिन उनकी सादगी देखकर किसी को भी ऐसा नहीं लगता कि वे इतने पहुंचे हुए हैं. बातचीत का उनका अंदाज पुराना ही है. ऐसे में वे यारों के दिलदार यार के रूप में पहचाने जाते हैं. हरदिल अजीज यार एकनाथराव जुवार का मानना है कि मानवता से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है. देश प्रेम की भावना से जहां वे समर्पित हैं, वहीं दूसरी ओर कोरोना महामारी के दौरान उनके द्वारा की गई जनसेवा भी सराहनीय रही.उनके जन्मदिन पर करोड़ों मंगलमय शुभकामनाएं, वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क, अमरावती.

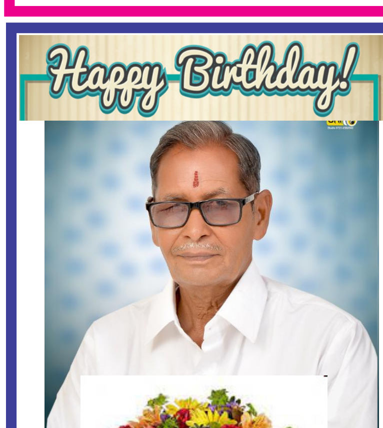

यारों के दिलदार यार, कई संगठनों के पदाधिकारी, कोळी महादेव समाज के हितों के लिए जुझारू व्यक्तित्व

एकनाथ जुवार को जन्मदिन 1 जुलाई पर

शुभकामनाएं

शुभेच्छुक

एकनाथ जुवार मित्र परिवार,
कोळी महादेव समाज,अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

योगी आदित्यनाथ की रग-रग में है राष्ट्र प्रेम

बचपन से ही राष्ट्रीयता की भावना, समाज के लिए सदैव अच्छा करने का रहा है जज्बा, बेबाक नेता

पिछले अंक से जारी- मुख्यमंत्री आदित्य योगी आदित्यनाथ की तुलना महाराष्ट्र में बेबाकी के लिए सुख्यात रहे शिवसेना प्रमुख बालासाहब ठाकरे से की जा सकती है. स्वभाव में मूल रूप से योगी आदित्यनाथ भी बेबाक नेता हैं. किसी बात को घुमा-फिराकर कहने की बजाय स्पष्टता से कहते हैं. यही कारण है कि कई बार उनके बयानों को लेकर विवाद भी होता है. लेकिन उनका कहना है कि राष्ट्र धर्म सभी का पहला धर्म होना चाहिए. राष्ट्र अगर सुरक्षित है तो हम सभी सुरक्षित रहेंगे. जिन देशों में शांति व व्यवस्था भंग होती है, वहां धर्म का वैसे ही पतन होता है. धर्म वहीं चलता हैं जहां शांति और व्यवस्था बेहतरीन हो. हर नागरिक की चिंता सरकार करती है.भारत माता को पवित्र भूमि मानने वाले योगी आदित्यनाथ कहते हैं कि यह ऐसा मुल्क है, जहां डाल-डाल पर चिड़िया बैठती है, हर धर्म का सम्मान किया जाता है. लेकिन वह धर्म नहीं हो सकता है, जो अन्यों को तकलीफ दे, अन्यों के धर्म को कम कर आंके. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जिस तरह से जनहित में निर्णय लिए, भ्रष्टाचार को रोकने का प्रयास किया, उसने यह साबित किया कि करने का जज्बा हो तो व्यक्ति कुछ भी कर सकता है.

19 मार्च 2017 से उत्तर प्रदेश के 21वें और वर्तमान मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं. वह सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री हैं. उत्तर प्रदेश के, जो वर्तमान में संपूर्णानंद को पछाड़कर 6 वर्षों से अधिक समय से अपना कार्यकाल चला रहे हैं.वह 2022 से उत्तर प्रदेश विधानसभा में गोरखपुर शहरी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहें हैं और 2017 से 2022 तक उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य भी रह चुके हैं. वह 1998 से 2017 तक उत्तर प्रदेश के गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र से पूर्व संसद सदस्य भी थे.विधानसभा के मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद उन्होंने विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया था.आदित्यनाथ गोरखपुर में एक हिंदू मठ, गोरखनाथ मठ के महंत (मुख्य पुजारी) भी हैं, वह अपने आध्यात्मिक 'पिता' महंत अवैद्यनाथ की मृत्यु के बाद सितंबर 2014 से इस पद पर हैं. वह एक हिंदू राष्ट्रवादी संगठन हिंदू युवा वाहिनी के संस्थापक भी हैं.उनकी छवि एक हिंदुत्ववादी राष्ट्रवादी और एक सामाजिक रूढ़िवादी की है.,जो समय के साथ चलने में भरोसा करते हैं.

पौड़ी गढ़वाल जिले स्थित यमकेश्वर तहसील के पंचुर गाँव के एक गढ़वाली क्षत्रिय परिवार में योगी आदित्यनाथ का जन्म हुआ.बचपनसे ही राष्ट्र प्रेम भरा हुआ था. घर भरने वाले नेताओं के दौर में आज भी वे ऐसे नेता हैं, जिनका परिवार वे मुख्यमंत्री रहने के बाद भी पूर्व की स्थिति में है. इससे बड़ा आदर्श उनका और क्या हो सकता है. जनता के लिए सदैव समर्पित रहते हैं. **शेष अगले अंक में**

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्‌चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

शादी-ब्याह का रंग, हमारे संग

आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता की विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

पक्षियों को जल पिलाने से होंगे मालामाल

विदर्भ स्वाभिमान

मानव सेवा,माता-पिता सेवा को प्रोत्साहित करने वाला समाचार पत्र

घर की छत पर पक्षियों के लिए दाना-पानी की सुविधा करें. भीषण गर्मी में उन्हें हमारी सर्वाधिक जरूरत है. सृष्टि हित में विदर्भ स्वाभिमान की विनम्र प्रार्थना है. इस माध्यम से पुण्य कमाने का सुअवसर मिल रहा है.

www.vidarbhswabhiman.com

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे 9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 4 से 10 जुलाई 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 02 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे. माता-पिता की जिन घरों में पूजा और सम्मान होता है, वहां की आधी से अधिक समस्याओं का निराकरण स्वयं ही हो जाता है. इसलिए सुबह से लेकर रात तक सदैव अच्छे सकारात्मक विचार दिल में रखें, सभी का दिन मंगलमय हो.

माता-पिता की सेवा हल करता है संकट

मेरे साथ किसी ने गलत किया है, यह सोचकर मैं उसके साथ गलत करने का विचार करता हूं तो निश्चित ही मेरा यह विचार उसी तरह पतन करेगा, जिस तरह से सामने वाले का पतन होता है. ऐसे में जरूरी है कि हम अच्छा करें, बुरा करने वाले को उसका फल देने का अधिकार भगवान के पास हैं. हम भगवान नहीं हैं. न्याय का जिम्मा उन पर छोड़ देना चाहिए. माता-पिता कभी बच्चों के दुश्मन नहीं होते हैं. ऐसे में उनके बारे में गलत सोचना भी अपराध होता है. जबकि उनकी सेवा से आप असंभव भी संभव कर सकते हैं.समय कितना बलवान होता है, प्रेम, अपनापन रहे तो व्यक्ति झोपड़ी में भी अत्याधिक आनंद प्राप्त कर सकता है लेकिन अगर प्रेम नहीं रहे तो महल में भी उसे खुशी नहीं मिलती है. खुशियां स्थान, पद, प्रतिष्ठा नहीं देखती हैं, वह तो आपका निर्मल मन देखती हैं. जिन लोगों का मन निर्मल होता है, उनके साथ जीवनभर किसी की अनबन नहीं होती है. जब सभी साथ होते हैं तो खुशियां स्वयं ही बढ़ जाती हैं. इसलिए स्वयं भी खुश रहो और अपने इर्द-गिर्द वालों को भी खुश रखने का निरंतर प्रयास करते रहें. आपका दिन शुभ हो.माता-पिता की सेवा करते रहें निश्चित तौर पर उसका फल मिलेगा. कर्म अच्छा रहेगा तो ही फल मिल सकता है. वर्ना तकलीफें तो सारे संसार में हैं. हमसे जितना बन पडे अच्छा करने का प्रयास करें. किसी को अगर छला है तो निश्चित है कि आपको छलने वाला मिलेगा, ऐसी गलत चेन को समय रहते ही बंद करने का प्रयास करें तो बेहतरीन होगा.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे,

जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com